नानाजी ने बंजर भूमि को हरा भरा कर दिया। युवाओं के लिए रोज़गार के कितने अवसर पैदा कर दिए।
भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी गोण्डा पहुंचे।
मैं यहां गांव वालों के साथ पंक्ति में बैठकर भोजन करूंगा। गांव की ऐसी तस्वीर देश के लिए उदाहरण है।
उन्होंने देश के विभिन्न भागों में वहां की आवश्यकताओं के अनुरूप नए–नए प्रकल्पों की रचना की।